साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 210 | जौनपुर, शनिवार, 27 अप्रैल 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सीवर में गिरने से 8 साल के मासूम की मौत पर सख्त कार्रवाई

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम क्षेत्र में बीते सीवर में गिरने से आठ साल के मासूम की मौत मामले में प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा के निर्देश पर सख्त कार्रवाई करते हुए जांच में दोषी पाए जाने पर अधिशासी अभियंता, अवर अभियंता और सुपरवाइजर को निलंबित कर दिया गया है साथ ही कार्यदायी संस्था एस. के. इंटरप्राइजेज के विरुद्ध ब्लैक लिस्टिंग की कार्रवाई की जा रही है। लखनऊ के जानकीपुरम थाना क्षेत्र में एपीजे अब्दुल कलाम विवि के पास मंगलवार को भंडारे से प्रसाद लेकर बहन और अन्य साथियों के साथ लौट रहे सीतापुर के अकबरपुर के रहने वाले आठ साल के शाहरुख खान की खुले सीवर में गिरने से मौत हो गयी थी। बच्चा अपने परिवार के साथ जानकीपुरम सेक्टर सात में रहता था। घटना की जानकारी होते ही नगर विकास मंत्री ए. के. शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। जिसके उपरांत नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह मय टीम के साथ मौके पर पहुंचे एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और फायर फाइटर की संयुक्त कार्यवाही से बच्चे को 18 फिट गहरे मेनहोल से रेस्क्यू करके उसे बाहर निकालकर ट्रामा सेंटर भिजवाया, जहां उसकी मौत हो गई।

बहन जी के आदर्शों पर चलकर आगे बढ़ूंगा – आकाश आनंद

अंबेडकरनगर, संवाददाता। बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद शुक्रवार को मायावती की कर्मभूमि रहे अंबेडकरनगर पहुंचे रैली को संबोधित किया। जिले के शिवबाबा मैदान पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बहन जी ने अपना जीवन आदर्शों के रास्ते पर चलकर बसपा मूवमेंट को आगे बढ़ाया है। उन्होंने जनता को नई राजनीतिक शक्ति दी है। मैं उनके पदचिन्हों पर चलकर आगे बढ़ूंगा। दुश्मन साम, दाम, दंड और भेद की नीति अपनाएगा। आकाश ने जय भीम के उद्घोष के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। यह क्षेत्र पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की राजनीतिक कर्मभूमि रही है। यहीं से वह प्रदेश और देश की सियासत में चमकीं।

बसपा ने फिर से चला मुस्लिम प्रत्याशी पर दांव

बसपा ने जिस कमर हयात को लोकसभा का टिकट थमाया है वह पार्टी में लंबे समय से सक्रिय हैं। जिले में उनकी पहचान सरल छवि के नेताओं में है। पार्टी ने पहले जिन कलामशाह को टिकट दिया था उनके सामने जिले में पहचान का संकट था, लेकिन कमर हयात के साथ ऐसा नहीं है। सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों में वे किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं।

हम उत्तराखंड में यूसीसी लाए हैं, देश भर में भी लागू करेंगे – केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

मध्य प्रदेश, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ये चुनाव देश के अर्थतंत्र को तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनाने का

चुनाव है। मोदी जी ने देश में 1 करोड़ लखपति दीदी बनाई है, ये चुनाव और 3 करोड़ माताओं को लखपति दीदी बनाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने 10 साल में देश के करोड़ों गरीबों के लिए ढेर सारे काम किए हैं। साथ ही मोदी जी ने कुछ ऐतिहासिक काम भी किए हैं। मोदी जी ने इस देश से आतंकवाद और नक्सलवाद को समाप्त किया है। हमारे मध्य प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्त करने का काम देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र को ध्यान से पढ़िए। उन्होंने कहा है कि हम पर्सनल लॉ को फिर से लागू करेंगे। ये (कांग्रेस) मुस्लिम पर्सनल लॉ लाना चाहते हैं। आप ये बताइए, क्या ये देश शरिया से चल सकता है? राहुल बाबा, आपको तुष्टिकरण के लिए जो करना है, वो करो। लेकिन जब तक भाजपा है, हम पर्सनल लॉ नहीं लाने देंगे। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि ये देश यूसीसी से चलेगा, ये हमारे संविधान की स्पिरिट है। हम उत्तराखंड में यूसीसी लाए हैं और नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी है कि हम देश भर में यूसीसी को लागू करेंगे। मोदी जी ने इस देश के विकास में सबसे पहली प्राथमिकता एससी, एसटी और ओबीसी को दी है।

गरीबों के अधिकारों को छीनना और तुष्टिकरण की राजनीति कांग्रेस का काम - जेपी नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव घोषणापत्र को लेकर कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि सबसे पुरानी पार्टी का छिपा हुआ एजेंडा पिछड़े वर्गों और गरीबों के अधिकारों को छीनना और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए मुसलमानों को देना है। नड्डा ने अपने बयान में कहा कि कांग्रेस और इंडियी गठबंधन का छिपा हुआ एजेंडा एससी, एसटी, ओबीसी के अधिकारों को छीनना और मुसलमानों को देना है। कांग्रेस का कहना है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी का कहना है कि देश के संसाधनों पर पहला हक गरीबों का है। नड्डा ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी से नफरत करती है और उनके

घोषणापत्र में भी स्पष्टता दिखाई दे रही है। उन्होंने एक विशिष्ट समुदाय के प्रति उनके झुकाव के लिए कांग्रेस पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह ने वो बयान गलती से नहीं दिया था। उन्होंने जानबूझकर ऐसा किया क्योंकि अप्रैल 2009 में एक सवाल का जवाब देते हुए – मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान – वह अपने बयान पर कायम रहे और कहा कि अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और देश के संसाधनों पर पहला अधिकार उनका होना चाहिए। पार्टी ने पूर्व पीएम की एक वीडियो क्लिप भी साझा की। भाजपा सुप्रीमो ने आगे दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने मुसलमानों को एससी और एसटी से भी बदतर स्थिति में दिखाने के लिए सच्चर समिति की रिपोर्ट के माध्यम से झूठे बयान दिए थे। उन्होंने कहा कि सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के जरिए गलत बयानबाजी की गई और कहा गया कि मुसलमानों की हालत दलितों से भी बदतर है. इसका मतलब है कि कांग्रेस पहले से ही मुसलमानों को एससी घोषित करने और उन्हें एससी आरक्षण की सुविधाएं प्रदान करने के लिए एक आधार तैयार कर रही थी।

संविधान को खत्म करना चाहती है भाजपा, इसे बचाने का चुनाव - अखिलेश यादव

कन्नौज, संवाददाता। लोकसभा चुनाव के चल रहे दूसरे चरण के बीच उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यूपी के कन्नौज में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया और कहा कि 2024 का चुनाव संविधान को बचाने के लिए है। रैली में बोलते हुए, अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी बड़े व्यापारियों की मदद कर रही है जबकि इंडिया गठबंधन और सपा गरीबों की मदद करेगी। यह चुनाव संविधान को बचाने के लिए भी है। आपने देखा होगा, भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है। याद रखें, यदि संविधान खत्म हो गया तो हमारा वोट देने का अधिकार भी खत्म हो जायेगा। चुनावी सभा में यादव ने कहा कि बड़ी संख्या में नौजवान आए हैं, ये नौजवान जानते हैं इस सरकार में जो भी परीक्षा हुई सबके पेपर लीक हुए। हमने कई सभाओं में कहा जब किसान आपके खिलाफ है और नौजवान खिलाफ हैं तो यह कहां से जीतेंगे? उन्होंने कहा कि ये सपने दिखा रहे हैं बीजेपी के लोग कि हमारा देश विश्वगुरू बनने जा रहा है, अगर हमारे प्रधानों ने सहयोग न किया होत तो ये विकसित यात्रा भी ना निकाल पाते। ये नौजवान हैं जिन्हें फौज की नौकरी मिल सकती थी, लेकिन अग्निवीर की व्यवस्था कर दी 4 साल की नौकरी, न पेंशन न पक्की नौकरी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जीतने भी भ्रष्टाचारी हैं, अपराधी, माफिया हैं सबको भारतीय जनता पार्टी ने अपनी गोदाम में रख लिया है। गोदाम इतनी बड़ी बना ली कि उसमें सब पार्टी के लोगों को शामिल कर लिया। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रोरल बॉन्ड ने बीजेपी की बैंड बजा दी है। ये जो भारतीय जनता पार्टी ने वसूली की

है उसका परिणाम है कि आम जनता को महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग बड़े– बड़े सपने दिखाते थे, जो लोग कहते थे कि चप्पल वाले हवाई जहाज से चलेंगे, बताओ सब कारखाने बिक गए कि नहीं बिक गए सरकारी? अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी की सरकार में बड़े बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ हुआ है। भारतीय जनता पार्टी ने 16 लाख करोड़ रुपए बड़े बड़े उद्योगपतियों के माफ किए हैं।

कांग्रेस और एसपी ने भारत के प्रति नकारात्मक भावना को आश्रय दिया – सीएम योगी आदित्यनाथ

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जो जन कल्याण, विकास और सुरक्षित भारत के खिलाफ हैं, वे एक बार फिर देश के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी भारत के प्रति नकारात्मक भावनाएं रखती हैं। उन्होंने कहा, '' इंडी गठबंधन ('इंडिया' गठबंधन) के घटकों का ''देश को धोखा देने और जाति, क्षेत्र और के आधार पर समाज को बांटने'' का ट्रैक रिकॉर्ड है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी वे सत्ता में रहे तब अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के अधिकारों को छीनने के प्रयास किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, '' 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर किए गए आपके विश्वास का परिणाम है कि दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा। सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। भारत आतंकवाद व नक्सलवाद से मुक्त हुआ है। विकास के बड़े–बड़े कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि जनता को बिना भेदभाव गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से 'पंच प्रण' का आह्वान किया था जिसमें भारत में गुलामी के अंशों को समाप्तकरना, विरासत का सम्मान करना, आत्मनिर्भर व विकसित भारत की संकल्पना के लिए प्रत्येक भारतवासियों के साथ मिलकर आगे बढ़ने का आह्वान शामिल है। मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से कहा कि आपके वोट ने देश की तकदीर व तस्वीर बदलने में बड़ी भूमिका निभाई है। दस वर्ष में हम नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भर व विकसित भारत के संकल्पकर्ता हैं।

ईवीएम पर न्यायालय के फैसले ने इंडिया के घटक दलों को बेनकाब कर दिया – अर्जुन राम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन

(ईवीएम) के इस्तेमाल को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले का शुक्रवार को स्वागत किया और कहा कि इसने निर्वाचन आयोग को बदनाम करने की कोशिश करने वाली कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को बेनकाब कर दिया है। न्यायालय ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से डाले गये वोट का 'वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपीएटी) के साथ मिलान कराने का अनुरोध करने वाली सभी याचिकाएं खारिज कर दीं और कहा कि तंत्र के किसी भी पहलू पर ''आंख मूंद कर अविश्वास करना'' बिना वजह संदेह पैदा कर सकता है। मेघवाल ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि ईवीएम प्रणाली बिल्कुल ठीक है, विश्वसनीय है और इसके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। अदालत का फैसला शानदार है। हम भाजपा की तरफ से इस फैसले का स्वागत करते हैं।'' भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस फैसले ने कांग्रेस और 'इंडिया' के अन्य घटकों को बेनकाब कर दिया है।

राहुल गांधी को मानहानि केस में झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत देते हुए झारखंड हाई कोर्ट ने 25 अप्रैल को मानहानि मामले में उनके खिलाफ एमपी–एमएलए अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी। चाईबासा जिले की एमपी–एमएलए अदालत ने 27 फरवरी को गांधी के खिलाफ गैर–जमानती वारंट जारी किया था। इसे रोकने के लिए कांग्रेस नेता ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। 2019 में एक चुनाव अभियान के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए चाईबासा के प्रताप कुमार द्वारा दायर आपराधिक मुकदमे में गांधी को गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। कुमार ने चाईबासा में मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष दायर अपनी याचिका में कहा कि गांधी की टिप्पणियां अपमानजनक थीं और जानबूझकर शाह के कद को खराब करने के लिए की गई थीं। मामला विशेष एमपी/एमएलए अदालत में चल रहा है जिसने अप्रैल 2022 में गांधी के खिलाफ

जमानती वारंट जारी किया था। हालाँकि, गांधी चाईबासा अदालत में पेश नहीं हुए, जिसके बाद 27 फरवरी को अदालत ने उनके खिलाफ गैर–जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसके बाद कांग्रेस नेता ने अपने वकील के माध्यम से चाईबासा अदालत में एक याचिका दायर कर पेशी से छूट की मांग की। अदालत ने याचिका खारिज कर दी जिसके बाद उन्होंने झारखंड उच्च न्यायालय का रुख किया। एक पखवाड़े बाद मामले की फिर सुनवाई होगी। इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने आज चुनाव आयोग को सूचित किया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे उन 40 स्टार प्रचारकों में शामिल हैं जो 13 मई के चुनाव के लिए आंध्र प्रदेश में पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक ने गुरुवार को चुनाव आयोग को 40 नाम सौंपे, जिसमें एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और अन्य शामिल थे। चुनाव आयोग को सौंपे गए पत्र की एक प्रति के अनुसार, आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष वाईएस शर्मिला के अलावा, सूची में मल्लू भट्टी विक्रमार्क, के वेंकट रेड्डी, डी अनसूया और अन्य जैसे तेलंगाना नेता भी शामिल हैं।

यह लोकसभा चुनाव भारत को आर्थिक और सामरिक रूप से शक्तिशाली बनाने के लिए - प्रधानमंत्री मोदी

बिहार, एजेंसी। बिहार में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके इस कर्ज को उतारने के लिए मैं और ज्यादा मेहनत करूंगा और तीसरे कार्यकाल में आपके हित में, देश के हित में और ज्यादा बड़े फैसले देश लेने वाला है। दूसरे चरण का मतदान भी चल रहा है। ये लोकतंत्र का महापर्व है। मेरी सभी मतदाताओं से, विशेषकर युवा मतदाताओं से अपील है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में वोट डालने के लिए जाएं। मोदी ने कहा कि 2024 का ये चुनाव भारत को आर्थिक और सामरिक रूप से शक्तिशाली बनाने के लिए है। इसमें, बिहार के

आप सभी जागरूक भाई–बहनों की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि गुलामी के लंबे कालखंड से पहले जब बिहार समृद्ध था, तब भारत एक महाशक्ति था। आज जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए चल पड़ा है, तो बिहार की भी इसमें बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस के इंडिया गठबंधन को न देश के संविधान की परवाह है और न ही लोकतंत्र की परवाह है। ये वो लोग हैं, जिन्होंने दशकों तक बैलेट पेपर के बहाने लोगों का, गरीबों का अधिकार छीना। पोलिंग बूथ लूट लिए जाते थे, बैलेट पेपर लूट लिए जाते थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर मोदी ने कहा कि अब जब गरीबों को, देश के ईमानदार मतदाता को आरजेडी की ताकत मिली है, तो ये जो चुनाव के दिन लूट चलाते थे, वोट हड़पने के खेल खेलते थे, अभी भी वो परेशान है। इसलिए उनका दिनरात यही काम रहता है कि कैसे भी करके आरजेडी हटना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के हर नेता ने आरजेडी को लेकर जनता के मन में संदेह पैदा करने का पाप किया है। लेकिन आज देश के लोकतंत्र और बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान की ताकत देखिए, आज सुप्रीम कोर्ट ने मतपेटियों को लूटने का इरादा रखने वालों को ऐसा गहरा झटका दिया है कि उनके सारे सपने चूर–चूर हो गए हैं। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि आज सुप्रीम कोर्ट ने साफ–साफ कह दिया है कि बैलेट पेपर वाला पुराना दौर वापस लौटकर नहीं आएगा।

मनीष सिसोदिया नहीं मिली राहत, 8 मई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की अदालत ने उत्पाद शुल्क पुलिस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में विजय नायर और अन्य के साथ आप नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 8 मई तक बढ़ा दी है। 18 अप्रैल को उनकी न्यायिक हिरासत 26 अप्रैल तक बढ़ा दी गई थी। इससे पहले 20 अप्रैल को सिसौदिया को कोर्ट से एक और झटका लगा था, जब उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी।

सिसोदिया ने आगामी आम चुनाव में प्रचार के लिए अदालत से उत्पाद शुल्क मामले में अंतरिम जमानत मांगी। अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया क्योंकि सीबीआई ने तर्क दिया कि अगर जमानत दी गई तो सिसौदिया आगे की जांच और गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। सबसे पहले, सिसौदिया को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 26 फरवरी, 2023 को उत्पाद शुल्क पुलिस घोटाले में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया था। बाद में, सीबीआई की एफआईआर के आधार पर, प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें 9 मार्च 2023 को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया। दोनों जांच एजेंसियों ने तर्क दिया है कि दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति को संशोधित करते समय लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए अनियमितताएं की गईं।

संपादकीय

बड़े उत्साह के साथ

कलाकार के रूप में जो सामाजिक विशेषाधिकार से आते हैं और समाज के उसी वर्ग की जरूरतों को पूरा करने वाले कला रूपों का अभ्यास करते हैं, हम जीवन भर अपना काम करते रहते हैं। निःसंदेह, वे बहुत कड़ी मेहनत करते हैं और अनगिनत बलिदान देते हैं, और कई लोग आर्थिक चुनौतियों से पार पाते हैं। लेकिन अगर प्रतिभा इतनी स्पष्ट है कि उसे नजरअंदाज करना मुश्किल है, तो अक्सर ऐसी बाधाएं नस्ल, जाति, लिंग और रंग द्वारा प्रदान किए जाने वाले अंतर्निहित सामाजिक नेटवर्क और इस तथ्य के कारण पार हो जाती हैं कि कला का प्रदर्शन, संरक्षण और सराहना की जाती है। बड़े पैमाने पर सामाजिक अभिजात वर्ग द्वारा। एक बार जब आर्थिक सीमा पार हो जाती है, तो कुछ नहीं किया जाता है। अपस्किलिंग कोई रॉकेट विज्ञान नहीं है और यह केवल अतिरिक्त क्षमता और जानकारी की परतें जोड़ता है जो उनकी कला को दिलचस्प बनाए रखने में मदद करते हैं। आइए हम पीछे हटें और आश्चर्य करें कि हम कलाकार क्यों बनना चाहते हैं। प्रारंभिक प्रेरणा एक्सपोजर, कंडीशनिंग और, बिना किसी संदेह के, कला और कलाकारों पर आश्चर्य करने से आती है। इसके परिणामस्वरूप युवा लोग कला उत्पादन की अनिश्चित दुनिया में कदम रख सकते हैं। परिवार और दोस्त शुरू में एक प्रतिभाशाली युवा को दिखाने के लिए रोमांचित होते हैं। वे सामाजिक समारोहों और शौकिया सार्वजनिक कार्यक्रमों में गर्व से झूमते हैं। लेकिन यह सब तब समाप्त हो जाता है जब व्यक्ति कला को एक करियर विकल्प के रूप में मानना चाहता है। आंतरिक चक्र इस तरह के निर्णय के अंतर्निहित खतरों पर प्रकाश डालता है, मुख्य रूप से कला की लंबी अवधि, अनिश्चितता और आगामी वित्तीय अस्थिरता पर ध्यान केंद्रित करता है। इनमें से किसी भी वास्तविकता से कोई इनकार नहीं कर सकता। वे व्यक्ति को कम से कम दूसरे क्षेत्र में स्नातक की डिग्री पूरी करने के लिए मनाएंगे। तर्क यह है कि, यदि सब कुछ सही दिशा में जाता है, तो कुछ हद तक पीछे हटने की जरूरत है। वित्तीय भय से परे और श्अपनी कलाओंश के प्रति प्रेम के बावजूद, सामाजिक अभिजात वर्ग शायद ही कभी कला को एक गंभीर व्यावसायिक प्रयास के रूप में देखता है। वे चाहते हैं कि कोई घरेलू सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डॉक्टर या अकाउंटेंट हो। वे दूर से कलाकारों की प्रशंसा करेंगे और उनके द्वारा प्रदान की गई सांस्कृतिक पुष्टि में स्नान करेंगे, चुपचाप खुश होंगे कि एक अलग घर से कोई और यह काम कर रहा है। वे कार्यक्रमों में आएंगे, चाहे वह संगीत कार्यक्रम हो या गैलरी शो, प्रशंसक के रूप में। दूसरी ओर, आयोजकों की शिकायत है कि जब कला का समर्थन करने की बात आती है तो यही लोग अक्सर कंजूस होते हैं। कई लोग टिकट के लिए भुगतान करने के बजाय मुफ्त पास पसंद करते हैंय एक अलग तरह का अधिकार! इस स्थान पर मौजूद कला रूप स्वयं को आलोचनात्मक सोच से अलग कर लेते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि विशेषाधिकार प्राप्त लोग मानते हैं कि उनकी जीवन शैली श्आदर्शश है। उनकी जीवनशैली, सौंदर्य संबंधी पसंद, आस्था, अनुष्ठान और सामाजिक समझ को दोषरहित बताया जाता है। इस प्रकार, उनकी सामाजिक स्थिति उनके जीवन जीने के तरीके को आकांक्षापूर्ण बनाती है। ऐसे माहौल में, यह स्वाभाविक है कि जिन कलाओं को वे संरक्षण देते हैं और उत्पादित करते हैं, वे भी उत्तम मानी जाती हैं। नतीजतन, हर चीज की सुरक्षा द्वारपालों द्वारा की जाती है जो प्रवेश और निकास को नियंत्रित करते हैं और अपनी खुद की कैथोलिकता का प्रमाण देने के लिए उन श्अन्यश लोगों के नामों का असंवेदनशीलतापूर्वक उपयोग करने से नहीं कतराते हैं, जिन्होंने अपने तरीके से संघर्ष किया और कलंक और भेदभाव का सामना किया। उन आवाजों को ध्यान से सुनना और जो कहा या अनकहा छोड़ दिया गया है उसके उप–पाठ को समझना सीखना कभी भी आवश्यकता नहीं माना जाता है। यह काफी हद तक पुरुषों के अपने प्रगतिशील और नारीवादी झुकाव के बारे में डींगें हांकने और अपने बारे में अच्छा महसूस करने जैसा है। कला एक गहन वास्तविकता जांच है। एक कला वस्तु का निर्माण करते समय, कलाकार हम सभी को हमारी सशर्त समझ से जुड़े बिना जीवन का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता है। यह हमें इस उम्मीद में आदत, स्वामित्व और पहचान के चंगुल से क्षण भर के लिए मुक्त कर देता है कि ऐसी मुक्ति से प्रतिबिंब मिलेगा। लेकिन, जब कला एक ऐसी संस्कृति के भीतर से सिखाई, बनाई और साझा की जाती है जो भीतर की अपूर्णता के आधार को अस्वीकार करती है, तो क्या यह कला है? जिन कलाओं में हम भाग लेते हैं वे वास्तव में आनंददायक और भावनात्मक और संरचनात्मक रूप से उत्कृष्ट हैं। लेकिन जिस तरह से हम उन्हें नियंत्रित और पकड़ते हैं, उसके कारण वे शायद ही कभी हमें आत्म–जांच की ओर धकेलते हैं। इस मानक के बावजूद, ऐसे कलाकार भी हुए हैं जिन्होंने दृढ़तापूर्वक और बड़े उत्साह के साथ इन कला प्रथाओं और धारक समुदाय को चुनौती दी। इस स्पष्ट खतरे को देखते हुए, समुदाय ने या तो उन्हें मनमौजी, बाहरी व्यक्ति के रूप में हाशिए पर डाल दिया या उन्हें देवता बना दिया, उन्हें एक ऊंचे स्थान पर बिठा दिया और उन्हें हमारे लिए पहुंच से बाहर कर दिया। निहित संदेश यह था वे अपनी पूर्णता के कारण वे प्रश्न पूछ सकते थे जो उन्होंने पूछे थे। चूँकि आप पूर्ण नहीं हैं, इसलिए आपको हमारे द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करने की आवश्यकता है।

बलूचियों पर पाकिस्तानी हुकूमत के जुल्म

कुलदीप

पाकिस्तान में जहां एक तरफ लोग ईद मना रहे थे, वहीं बलूच समुदाय के लोग सड़कों पर पाकिस्तानी सरकार व सेना के अत्याचारों के खिलाफ देश भर में प्रदर्शन कर रहे थे। उनका विरोध पाकिस्तान से आजादी पाने और लापता बलूचियों की तलाश की मांग को लेकर था। दरअसल इन लोगों को पाकिस्तानी सेना ने गायब करवाया था और आज तक पता नहीं चल सका है कि वे जिंदा हैं, या नहीं। मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन होने के कारण दुनिया भर में इसकी निंदा हो रही है। विभाजन के समय बलूचिस्तान पाकिस्तान में शामिल नहीं होना चाहता था, लेकिन पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के दबाव में उसे शामिल होना पड़ा। उस समय बलूच नेता कलात खान के संरक्षण में आजादी हासिल करने के लिए आंदोलन जारी था, जो बाद में और तेज हो गया। इसलिए बलूच राष्ट्रवादियों को पाकिस्तानी सरकार व सेना विद्रोही कहती है। उनकी नाराजगी पाकिस्तानी हुकूमत और सेना द्वारा ढाए जा रहे जुल्मों के कारण लगातार बढ़ती जा रही है। माना जा रहा है कि जब तक सेना और आईएसआई बलूचिस्तान पर अत्याचार बंद नहीं करती, उनमें पाकिस्तान से अलग होने की भावना खत्म नहीं होगी। अब तो उनकी आजादी की मांग अमेरिका और अन्य देशों तक पहुंच गई है। सरकार के अत्याचार से तंग आकर सैकड़ों बलूची पलायन करके विदेशों में बस गए हैं। वे रोज प्रदर्शन करके विश्व समुदाय का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर हस्तक्षेप करने की उम्मीद कर रहे हैं। इमरान खान की सरकार के समय से बलूचिस्तान के हालात और ज्यादा खराब हुए हैं। अब फौज के समर्थन से बनी गठबंधन सरकार इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। वह बलूचियों पर अत्याचार कर रही है। बलूचियों के लापता होने के पीछे खुफिया एजेंसी का हाथ बताया जा रहा है। जो लोग लापता बलूचियों की तलाश करने की मांग करते हैं, उनकी हत्या कर दी जाती है। लगभग 25,000 से अधिक बलूचियों का अपहरण हुआ है और उनमें से ढाई हजार से अधिक लोगों के गोलियों से छलनी व अत्याचारों के प्रमाण देने वाले शव बरामद हुए हैं। अब बाकियों की तलाश की मांग जारी है। ईद के अवसर पर हुए प्रदर्शन में सैकड़ों महिलाएं और बच्चे अपने लापता परिजनों की तस्वीरें लेकर शामिल हुए थे। मगर मौजूदा पाक सरकार व सेना उनकी कोई मदद नहीं कर रही है, बल्कि अब भी बलूचियों को जबरन गायब करने का सिलसिला जारी है। क्षेत्रफल के हिसाब से बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है। यहां करीब एक करोड़ लोगों की आबादी है। प्राकृतिक संसाधनों के लिहाज से यह बाकी पाकिस्तान से ज्यादा समृद्ध है। पाकिस्तान के संविधान के अनुसार, बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों पर केंद्र और दूसरे प्रांतों का अधिकार कायम है, जबकि संसाधनों पर केवल बलूचियों को अधिकार मिलना चाहिए था। इस प्रांत में जो गैस पैदा की जाती है, उसकी आपूर्ति सारे पाकिस्तान में होती है और बलूचिस्तान को बहुत कम रॉयल्टी मिलती है। बलूची लोग चाहते हैं कि वहां से फ्रंटियर कोर की वापसी हो और उन पर लगाए गए मुकदमे वापस लिए जाएं। बलूचियों को इस बात का भी मलाल है कि ग्वादर बंदरगाह पर उन्हें काम देने के बजाय चीनियों को काम दे दिया गया है। जबकि बंदरगाह के निर्माण के समय उनसे वादा किया गया था कि बलूचियों को काम दिया जाएगा। चीन आर्थिक गलियारों को ग्वादर बंदरगाह से जोड़कर इस क्षेत्र को अपनी कॉलोनी बनाना चाहता है।

चुनाव आयोग में विश्वास वापस लाने के लिए अपग्रेड की जरूरत

आदित्य

चुनाव आयोग (ईसी) तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण है। और नहीं, यह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों

(ईवीएम) के बारे में नहीं है जो उस तूफान के केंद्र में रही है जिसने खुद को सुप्रीम कोर्ट तक उड़ा लिया। लोकतंत्र में सरकारें कैसे चुनी जाती हैं, इसमें समान स्तर के खेल के मैदान और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की प्रणाली के लिए अद्यतन नियमों और प्रक्रियाओं के साथ एक ईसी की आवश्यकता होती है, और प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से संचार नेटवर्क में तेजी से होने वाले बदलावों को संभालने की क्षमता होती है। 73 साल पुराने नियमों के तहत सार्वजनिक चुनाव प्रचार में 48 घंटे का मौन रखा जाता है। ओपिनियन और एग्जिट पोल के बारे में समाचार मीडिया पर निषेधाज्ञा है। हालाँकि, जब प्रसारण और वेबकास्ट की बात आती है तो एक बड़ा अंतर है। टेलीविजन और इंटरनेट अनियमित हैं और मतदाताओं के घरों, मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट और डेस्कटॉप पर अभियान सामग्री पहुंचाने के लिए स्वतंत्र हैं, जबकि असाधारण रूप से विस्तारित बहु–चरणीय मतदान कार्यक्रम में मतदान जारी है। 19 अप्रैल को, जब तमिलनाडु के सभी 39 निर्वाचन क्षेत्रों, उत्तराखंड के सभी पांच निर्वाचन क्षेत्रों और कुल 102 निर्वाचन क्षेत्रों में से 58 में मतदान चल रहा था, टीवी और इंटरनेट सक्रिय रूप से राजनीतिक नेताओं के लाइव भाषणों को प्रसारित करने में लगे हुए थे। पीएम नरेंद्र मोदी. जिन राज्यों में मतदान चल रहा था, वहां क्षेत्रीय दलों के सुप्रीमो सहित राजनीतिक नेता वोट का प्रचार कर रहे थे, जो स्थानीय टीवी चौनलों और निश्चित रूप से इंटरनेट पर उपलब्ध था। इसलिए, चुनाव पूर्व 48 घंटे की चुप्पी काल्पनिक हो गई है। इसके विपरीत, चुनाव आयोग को इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि वोट देने के लिए कतार में खड़े होने के बावजूद मतदाताओं को प्रभावित होने से रोकने के लिए उसे क्या करना चाहिए। चूंकि इसने ओपिनियन और एग्जिट पोल पर प्रतिबंध लगा दिया है, इसलिए इसके लिए यह काम करना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि शोर–शराबे वाले प्रचार को मतदाताओं के जीवन में फैलने से कैसे रोका जाए। अपने नियमों के उल्लंघन को रोकने में विफलता चुनाव आयोग के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए, जो बार–बार यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है कि समान अवसर उपलब्ध हों। मौन नियम का उल्लंघन लोकसभा चुनाव में छोटे और क्षेत्रीय दलों के लिए नुकसानदेह होता है, क्योंकि राष्ट्रीय टीवी नेटवर्क सत्तारूढ़ शासन पर ध्यान केंद्रित करते हैं और अन्य श्राष्ट्रीयश दलों और नेताओं को समय के अनुपातहीन हिस्से की पेशकश करते हैं। क्षेत्रीय पार्टियों को उतना फायदा नहीं है. यह देखते हुए कि भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में श्एक राष्ट्र, एक चुनावश का वादा शामिल किया है और यह भी कहा है कि वह पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता में एक समिति बनाकर एक परामर्श प्रक्रिया में लगी हुई है, अंतर्निहित भेदभाव इसके पक्ष में है। सबसे बड़ी और सबसे तेज वृद्धि असंगत रूप से होती है। यदि चुनाव प्रणाली का कृत्रिम रूप से पुनर्निर्माण किया जाता है, तो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दल एक ही समय में राज्य और राष्ट्रीय दोनों चुनावों के लिए प्रचार करने में सक्षम होंगे। दूसरे शब्दों में, आप, टीएमसी, डीएमके, सीपीआई (एम), राजद या यहां तक कि बीजेडी, वाईएसआर कांग्रेस या जेडी (एस) जैसी पार्टियों को राष्ट्रीय टीवी पर समय के लिए भाजपा जैसी पार्टियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। प्रत्येक क्षेत्रीय और छोटी पार्टी को निचोड़ दिया जाएगा या स्थानीय टीवी नेटवर्क पर भी राष्ट्रीय पार्टियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए धकेल दिया जाएगा। राजनीतिक रूप से समान होने के बजाय, छोटे और क्षेत्रीय दल दोयम दर्जे के नागरिक बनकर रह जायेंगे। चूंकि चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक दलों के वर्गीकरण में पहले से ही एक पदानुक्रम है, इसलिए कोई भी अतिरिक्त नुकसान केंद्र में सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान के पक्ष में निष्पक्षता के सिद्धांत को तिरछा कर देगा। नाराज टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने हाल ही में चुनाव आयोग पर हमला बोलते हुए इसे बीजेपी आयोग करार दिया। एक स्वतंत्र ईसी, संरचनात्मक और ढांचागत, जैसे कि प्रौद्योगिकी, दोनों तरह के बदलावों से निपटने में सक्षम हो, ऐसी संस्था से अपेक्षा की जाती है जिसके पास अपने हितधारकों द्वारा पक्षपातपूर्ण हमला किए बिना अपना काम करने के लिए लगभग असीमित संसाधन और पर्याप्त धन हो। उनका स्पष्ट मानना था कि संस्था इस हद तक प्रभावित हो गई है कि उसने अपनी स्वतंत्रता खो दी है। ममता का हमला एक तरफ केंद्रीय सुरक्षा बलों की लामबंदी और चुनाव आयोग द्वारा राज्य पुलिस को प्रभावी ढंग से हटाने और दूसरी तरफ वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक कर्मियों को हटाने और नियुक्तियों के खिलाफ था। इससे यह संकेत गया कि संस्था को पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक अधिकारियों की व्यावसायिकता पर भरोसा नहीं है। राज्य में चुनाव के दौरान विचारों का यह टकराव कोई नई बात नहीं है. यह 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान बहुत स्पष्ट था, जब डीजीपी को हटा दिया गया था। इस बार भी कई अधिकारियों को हटा दिया गया है, जिनमें वर्तमान डीजीपी भी शामिल हैं. यूपी, बिहार, गुजरात, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित कई राज्यों से छह गृह सचिवों को हटाने से चुनाव आयोग के विश्वास की कमी, या बल्कि पूर्ण संदेह, कि राज्यों में काम करने वाले लोक सेवक पक्षपाती हैं, स्पष्ट है। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता में विश्वास की कमी भी उतनी ही समस्याग्रस्त है। हालांकि चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान वरिष्ठ सरकारी कर्मचारियों को हटाना चुनाव आयोग के लिए नियमित हो गया है।

देश की आबादी के सबसे बड़े अदृश्य वर्ग

विनोद

किसी भी राजनीतिक दल ने देश की आबादी के सबसे बड़े अदृश्य वर्ग, इसकी एकल महिलाओं, को संबोधित नहीं किया है। पिछली गणना में उनकी संख्या लगभग 75 मिलियन थी और चूंकि यह हर मिनट लगातार बढ़ती दिख रही है, कोई यह मान सकता है कि वे जनसंख्या का 5ः से अधिक हैं। लेकिन क्या वे किसी चुनावी बैनर में दिखते हैं? यह विचार ही थोड़ा अजीब लगता हैय वाक्यांश की तरह, अकेली महिला, संकेतित व्यक्ति अभी भी हमारे संदर्भ में थोड़ा विदेशी लगता है। शायद इसीलिए जब प्रधान मंत्री ने हाल ही में ष्घुसपैठियोंष द्वारा हमारे संसाधनों को छीनने के बारे में भाषण दिया, तो उन्होंने केवल मंगलसूत्र पहनने वाली महिलाओं का उल्लेख किया, जो संभवतः एक प्रमुख राष्ट्रीय संसाधन है, जिसे भी छीने जाने का खतरा है। "मंगलसूत्र सोने के मूल्य के बारे में नहीं है। यह एक व्यक्ति के सपनों का प्रतिनिधित्व करता है," उन्होंने समझाया। फिर अच्छी खबर यह है कि मंगलसूत्र–रहित महिलाओं को अधिक सुरक्षित महसूस करना चाहिए – वे छीनी जाने वाली नहीं हैंय बुरी खबर यह है कि वे स्वप्नहीन, मूल्यहीन, नीरस प्राणी हैं जो हमारे प्रधान मंत्री की योजना में अदृश्य रहते हैं। वे भाषा में भी मौजूद नहीं हैं। बंगाली में उनके लिए एक भी श्एकलश शब्द नहीं है, हालाँकि उन्हें विभिन्न प्रकार से अविवाहित, विधवा, अलग या तलाकशुदा के रूप में वर्णित किया जाता है। न ही हिंदी. ऐसा नहीं है कि उन्हें नए विवरणों की आवश्यकता है। किसी पहचान के लिए नया मुहावरा गढ़ना पहचान की गारंटी नहीं देता। (मुझे डर लगता है कि अगर उन्हें एक श्रेणी के रूप में पहचाना जाता है, तो इससे अधिक बहुअक्षरीय, चुनौतीपूर्ण रूप से यौगिक–अक्षर वाले अर्ध–संस्कृत शब्द, जैसे भारतवंदिता या कुछ और, जो उन्हें और भी अधिक विदेशी बना देगा। मेरे पास श्अकेली महिलाश भी नहीं होगी श, जिसे मैंने अभी बनाया है, क्योंकि इसमें मजबूत इंस्टा वाइब्स हैं और इसे बर्बाद नहीं किया जा सकता है।) तो उन्हें बिना नाम के रहने दें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे क्या करते हैंरू सब कुछ। मैं केवल एक उदाहरण दूंगा. मेरे लिए, दीपक चटर्जी, स्वपनकुमार द्वारा निर्मित अद्वितीय, निडर निजी अन्वेषक, मानवीय उपलब्धि की ऊंचाई का प्रतिनिधित्व करता है। अपने सबसे उल्लेखनीय कारनामों में से एक में, चटर्जी को एक हाथ में रिवॉल्वर, दूसरे में एक इलेक्ट्रिक टॉर्च ले जाते हुए और एक और महान साहसिक कार्य की तलाश में स्थानीय जलाशय में गोता लगाने के लिए एक पनडुब्बी शुरू करते हुए देखा गया था। या इसके बहुत करीब कुछ. मैं उस महान व्यक्ति की पूजा करती हूं, लेकिन पूरी विनम्रता के साथ, मैं, एक अकेली महिला, यह कहना चाहती हूं कि मैं उनमें सुधार कर सकती हूं, और भी बहुत कुछ कर सकती हूं। अकेले, तीन हाथों से. अपने साहसिक कार्य के रास्ते में, मैं अपनी बेटी को स्कूल छोड़ूँगा। मैं उसका नाश्ता पहले ही तैयार कर देता। दुनिया को बचाने के बाद, मैं अपनी पनडुब्बी को वापस घुमाऊंगा और जल्दी से घर की ओर चला जाऊंगा। वापस जाते समय, मैं स्थानीय बाजार में रुकता और सब्जियाँ खरीदता। घर पहुँचकर, मैं जल्दी से अपनी पनडुब्बी पार्क करता, जल्दी से अपने रोजमर्रा के कपड़े पहनता और रात का खाना बनाता। फिर मेरी बेटी के होमवर्क में मदद करो। फिर दरवाजे के नीचे से एक गुमनाम नोट खिसका दिया गया, जिसमें मुझे एक सबसे दिलचस्प व्यक्ति से मिलने के लिए आमंत्रित किया गया, जो शहर के एक चीनी रेस्तरां में मेरा इंतजार कर रहा था। मैं एक हाथ में रिवॉल्वर, दूसरे हाथ में बिजली की टॉर्च और दूसरे हाथ से गुमनाम नोट लहराते हुए फिर से बाहर निकल जाऊंगा। रेस्तरां में, जापानी घास के सैंडल पहने हुए केवल दो जोड़ी पैर ही मेरा स्वागत करते थे, जो एक केबिन में भारी पर्दे के नीचे से दिखाई देता था। रात भर बेतहाशा पीछा किया जाता, लेकिन मैं नाश्ता बनाने के लिए ठीक समय पर फिर से घर वापस आ जाता। मैं ऐसा हर दिन करता हूं, और मुझे यकीन है कि उपरोक्त लाखों लोग हर दिन ऐसा करते हैं। वह युवती जो मेरे दूर रहने पर मेरे घर की देखभाल करती है।

जलवायु परिवर्तन के कारण आर्थिक विकास पर प्रभाव का सुझाव

एक हालिया रिपोर्ट में, पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च ने लंबी अवधि में एकत्र किए गए व्यापक वैश्विक जलवायु डेटा के आधार पर भविष्यवाणी की है कि 2050 तक औसत वैश्विक आय में 19ः की हानि होगी। इसका तात्पर्य यह है कि वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 17ः की गिरावट आएगी। जबकि सभी देशों को अलग–अलग डिग्री में नुकसान का अनुभव होगा, जिन देशों ने ऐतिहासिक रूप से कार्बन उत्सर्जन में सबसे कम योगदान दिया है और जिनके पास मौसम से संबंधित परिवर्तनों को अनुकूलित करने और कम करने के लिए सबसे कम संसाधन हैं, उन्हें सबसे गंभीर नुकसान होने की आशंका है। भारत सहित दक्षिण एशिया और अफ्रीका के देश इस श्रेणी में आते हैं। इस नुकसान का अनुमान केवल तापमान वृद्धि के आधार पर लगाया जाता है। यदि चरम मौसम की घटनाओं से होने वाले नुकसान को शामिल कर लिया जाए, तो अनुमानित नुकसान 50ः बढ़ जाता है। पूर्वानुमानित नुकसान का आंकड़ा कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए दुनिया की लागत से छह गुना अधिक है ताकि तापमान में वृद्धि को पूर्व–औद्योगिक स्तर से 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखा जा सके। 2012 में, जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल ने जलवायु परिवर्तन अनुकूलन ढांचे को आगे बढ़ाने के लिए चरम घटनाओं और आपदाओं के जोखिमों के प्रबंधन पर विशेष रिपोर्ट का उपयोग करके जलवायु जोखिम प्रबंधन की शुरुआत की थी। इस ढांचे के मूल्यांकन के केंद्र में जलवायु, पर्यावरणीय और मानवीय कारकों की जटिल परस्पर क्रिया है जो संबंधित जोखिमों के प्रबंधन के लिए रणनीतियों के साथ–साथ प्रभावों और आपदाओं में योगदान करते हैं और इन प्रभावों को आकार देने में गैर–जलवायु कारकों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका है। ग्लोबल वार्मिंग के संदर्भ में भारत का आर्थिक विकास और विकास जोखिमों से भरा है। भारत जलवायु परिवर्तन के मामले में सातवां सबसे संवेदनशील देश है और साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक भी है।

दुनिया का सबसे महंगा चुनाव है गंभीर चुनौती

ललित

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लोकसभा चुनाव 2024 अनेक दृष्टियों से यादगार, चर्चित, आक्रामक एवं ऐतिहासिक होने के साथ–साथ अब तक का सबसे महंगा एवं दुनिया का सबसे खर्चीला चुनाव है। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की हालिया रिपोर्ट के अनुसार इस बार का चुनावी खर्च एक लाख बीस हजार करोड़ रुपये के खर्च के साथ दुनिया का सबसे महंगा चुनाव होने की ओर अग्रसर है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के खर्च की तुलना में इस बार दुगुना खर्च होगा। चुनाव प्रक्रिया अत्यधिक महंगी एवं धन के वर्चस्व वाली होने से राजनीतिक मूल्यों का विसंगतिपूर्ण एवं लोकतंत्र की आत्मा का हनन होना स्वाभाविक है। चुनाव जनतंत्र की जीवनी शक्ति है। यह राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिबिम्ब होता है। जनतंत्र के स्वस्थ मूल्यों को बनाए रखने के लिए चुनाव की स्वस्थता, पारदर्शिता, मितव्ययता और उसकी शुद्धि अनिवार्य है। चुनाव की प्रक्रिया गलत होने पर लोकतंत्र की जड़े खोखली होती चली जाती हैं। करोड़ों रुपए का खर्चीला चुनाव, अच्छे लोगों के लिये जनप्रतिनिधि बनने का रास्ता बन्द करता है और धनबल एवं धंधेबाजों के लिये रास्ता खोलता है। इन चुनावों में अर्थ का अनुचित एवं अतिशयोक्तिपूर्ण खर्च का प्रवाह जहां चिन्ता का कारण बन रहा है, वहीं समूची लोकतांत्रिक प्रणाली को दूषित करने का सबब भी बन रहा है। इस तरह की बुराई एवं विकृति को देखकर आंख मूंदना या कानों में अंगुलियां डालना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसके विरोध में व्यापक जनचेतना को जगाना जरूरी है। यह समस्या या विकृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि दुनिया के समूचे लोकतांत्रिक राष्ट्रों की समस्या है। 18वीं लोकसभा चुनाव में हर राजनैतिक दल अपने स्वार्थ की बात सोच रहा है तथा येन–केन–प्रकारेण ज्यादा से ज्यादा वोट प्राप्त करने की अनैतिक तरकीबें निकाल रहा है। एक–एक प्रत्याशी चुनाव का प्रचार–प्रसार करने में करोड़ों रुपयों का व्यय करता है। यह धन उसे पूंजीपतियों, उद्योगपतियों, राजनीतिक दलों एवं प्रायोजकों से मिलता है। चुनाव जीतने के बाद वे उद्योगपति उनसे अनेक सुविधाएं प्राप्त करते हैं। इसी कारण सरकार उनके अनुचित दबाव के विरुद्ध कोई आवाज नहीं उठा पाती और अनैतिकता एवं आर्थिक अपराध की परम्परा को सिंचन मिलता रहता है। यथार्थ में देखा जाए तो जनतंत्र अर्थतंत्र बनकर रह जाता है, जिसके पास जितना अधिक पैसा होगा, वह उतने ही अधिक वोट खरीद सकेगा। लेकिन इस तरह लोकतंत्र की आत्मा का ही हनन होता है, इस सबसे उन्नत एवं आदर्श शासन प्रणाली पर अनेक प्रश्नचिन्ह खड़े होते हैं। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज रिपोर्ट के मुताबिक आमतौर पर चुनाव अभियान के लिए धन अलग–अलग स्रोतों से अलग–अलग तरीको से उम्मीदरवारों और राजनीतिक दलों के पास आता है। राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को चुनाव खर्च के लिए मुख्य रूप से रियल इस्टेट, खनन, कारपोरेट, उद्योग, व्यापार, ठेकेदार, चिटफण्ड कंपनियां, ट्रांसपोर्टर, परिवहन ठेकेदार, शिक्षा उद्यमकर्ता, एनआाई, फिल्म, दूरसंचार जैसे प्रमुख स्रोत है। इस साल डिजिटल मीडिया द्वारा प्रचार बहुत ज्यादा हो रहा है। राजनीतिक दल पेशेवर एजेंसिया की सेवाएं ले रहे हैं। इनसे सबसे अधिक राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा प्रचार अभियान, रैली, यात्रा खर्च के साथ–साथ सीधे तौर पर गोपनीय रूप से मतदाताओं को सीधे नकदी, शराब, उपहारों का वितरण भी शामिल है। देश में 1952 में हुए पहले आम चुनाव की तुलना में 2024 में 500 गुणा अधिक खर्च होने का अनुमान है। प्रति मतदाता 6 पैसे से बढ़कर आज 52 रुपये खर्च होने का अनुमान है। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव में होने वाले वास्तविक खर्च और अधिकारिक तौर पर दिखाए गए खर्चे में काफी अंतर है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में देश के 32 राष्ट्रीय और राज्य पार्टियों द्वारा आधिकारिक तौर पर सिर्फ 2,994 करोड़ रुपये का खर्च दिखाया। इनमें दिखाया गया कि राजनीतिक दलों ने 529 करोड़ रुपये उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने के लिए दिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा निर्वाचन आयोग में पेश खर्च का ब्यौरा और

वास्तविक खर्च के साथ–साथ उम्मीदवारों द्वारा अपने स्तर पर किए जा रहे खर्चे में काफी अंतर है। अमेरिकी चुनाव पर नजर रखने वाली एक वेबसाइट के रिपोर्ट का हवाला देते हुए, सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के अध्यक्ष एन भास्कर राव ने कहा कि यह 2020 के अमेरिकी चुनावों पर हुए खर्च के लगभग बराबर है, जो 14.4 बिलियन डॉलर यानी 1 लाख 20 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि दूसरे शब्दों में कहें तो भारत में 2024 में दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव अब तक का सबसे महंगा चुनाव साबित होगा। भारत में होने वाले चुनाव में हो रहे बेसुमार खर्च की तपीश समूची दुनिया तक पहुंच रही है। समूची दुनिया के तमाम देशों में भारत के चुनाव को न केवल दम साध कर देखा जा रहा है बल्कि इन चुनाव के खर्चों एवं लगातार महंगे होते चुनाव की चर्चा भी पूरी दुनिया में व्याप्त है। लोकसभा चुनाव में भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस आदि दलों एवं उनके उम्मीदावारों ने मतदाताओं को प्रभावित करने के लिये तिजोरियां खोल दी है। यह चुनाव राष्ट्रीय मसलों के मुकाबले राजनीतिक दलों के हित सुरक्षित रखने के वादे पर ज्यादा केंद्रित लग रहा है और टकराव के मुद्दे थोड़े ज्यादा तीखे हैं। लेकिन अगर मुद्दों से इतर अभियानों की बात करें तो यह खबर ज्यादा ध्यान खींच रही है।

टाइल्स लगाने के विवाद, चली गोली दो को लगी गोली, दो घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के सरायबीरू चौराहे पर पहलवान बाबा मंदिर के बगल में कटरे के निर्माण पर मजदूर व मालिक के बीच हुए विवाद के बाद गोलियां चली, जिसमें एक पक्ष से एक व दूसरे पक्ष से एक मजदूर को गोली लगी। सूचना मिलने पर भारी फोर्स पंहुची पुलिस एक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

सरायबीरू चौराहे के बगल में पहलवान बाबा मंदिर के पास रत्नाकर सिंह, सन्दीप सिंह का कटरा बन रहा है, कटरे के सीलिंग में पीओपी एवं टाइल्स का कामघ चल रहा है। शनिवार की सुबह जब काम शुरू हुआ तो मालिक ने कहा कि पानी सीलिंग पर ना जाये नहीतो पीओपी खराब हो जाएगा तो मजदूर ने कहा कि में हिसाब से काम करुंगा ना कि आपके इसी दौरान वाद विवाद शुरू हो गया, थोड़ी देर बाद गोली चलने की आवाज आयी। घायल सरायबिरु निवासी अभिषेक सिंह 25, नवीन सिंह 31 पुत्रगण दिवाकर सिंह व गौरव सिंह 28 पुत्र योगेश सिंह को थोड़ी देर बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया अभिषेक को दाहिने अंडर आर्म में गोली है। जब पुलिसघ ने मामले की छानबीन शुरू की तो ठेकेदार सूरतपुर निवासी अनिल को हिरासत मे लेकर पूछताछ शुरू की तो पता चला कि मजदूर अजय यादव निवासी सुरहुरपुर केराकत को भी गोली लगी है। उसे भी इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेंघ भर्ती कराया। स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने सभी को बेहतर उपचार के लिए रेफर किया, जिसमे से अभिषेक सिंह वाराणसी के निजी चिकित्सालय उपचार के लिए गए तो मजदूर अजय सदर के लिए रेफर किए गए, घटना के बाद फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुँचकर नमूना लिया। क्षेत्राधिकारी केराकत प्रतिमा वर्मा ने बताया मजदूर और मालिक पक्ष के बीच विवाद हुआ, जिसमें दोनो पक्षो के एक एक को गोली लगी है लेकिन गोली कौन चलाया अबतक ये स्पष्ट नहीं हो पाया है।

धनंजय सिंह को जौनपुर जेल से बरेली जेल किया गया स्थान्तरित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर जिला जेल में शनिवार सुबह उस समय हलचल तेज हो गई जब बसपा के पूर्व सांसद बाहुबली धनंजय सिंह को अचानक से जिला जेल निकालकर दूसरे जेल में शिफ्ट करने की कवायद तेज कर दी गई अचानक से उनकी शिफ्ट होने की जानकारी मिलते ही उनके समर्थक भी काफी मात्रा में जिला जेल पहुंच गए। विदित हो धनंजय सिंह को बीते 6 मार्च को जौनपुर न्यायालय द्वारा अपहरण एवं रंगदारी के मामले में 7 वर्ष की कैद की सजा सुनाई गई थी तब से वह जिला जेल में बंद थे ।शनिवार की सुबह जिला कारागार से निकाल कर एंबुलेंस के द्वारा बरेली जिला कारागार के लिए भेज दिया गया है। हालांकि इस मामले में जेल प्रशासन द्वारा अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया गया है कि स्थानांतरण किन कारणों से किया गया है। इस मामले में जेल अधीक्षक एसके पांडे ने बताया कि शासन के मनसा के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार इसके लोकसभा चुनाव में बसपा के टिकट पर धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला धनंजय सिंह रेड्डी को चुनाव लड़ना बताया जा रहा है। हालांकि जेल ट्रान्सफर का आदेश गुरुवार की सायंकाल ही आ गया था ,उसका क्रियान्वयन शनिवार की सुबह हुआ है। धनंजय सिंह के खिलाफ जिले में चल रही नमामि गंगे परियोजना की मैनेजर अभिनव सिंघल द्वारा लाइन बाजार थाने में तहरीर देकर यह आरोप लगाया गया था कि उनसे धनंजय सिंह द्वारा रंगदारी की मांग की गई साथ ही उनका अपहरण करके उनके आवास अभी लाया गया था ।इस मामले में जनपद की शिर्ष अदालत द्वारा उन्हें 7 वर्ष की कैद की सजा व 50 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई गई थी। जिसको लेकर उन्होंने हाईकोर्ट में अपील दायर किया था जिस मामले में आज फैसला आना था ऐसे में अचानक से उनका बरेली जेल में ट्रांसफर किया जाना कहीं ना कहीं आगामी 29 अप्रैल से लोकसभा चुनाव की लिए शुरू हो रहे नामांकन को देखते हुए जिला प्रशासन व शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है। विदित हो कि धनंजय सिंह की पत्नी व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकला धनंजय सिंह बहुजन समाज पार्टी से लोकसभा सदर की उम्मीदवार हैं।

मेरे पति की हत्या हो सकती है - श्रीकला धनंजय सिंह बसपा उम्मीदवार

–अपने सिंदूर और मंगलसूत्र को बचाने की प्रधानमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। धनंजय सिंह को शनिवार को जौनपुर की जेल से बरेली जेल में ट्रांसफर करने के बाद जिले की राजनीति में भूचाल सा गया है। धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला धनंजय रेड्डी ने धनन्जय सिंह को बरेली जेल भेजे जाने से काफी दुखी और भयभीत हैं। शनिवार दोपहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह ये धर्म युद्ध है एक बहू के सिन्दूर को बचाने का समय है। उन्होंने अभय सिंह का वगैर नाम लिए कहा कि मेरे पति के ऊपर जिन लोगों ने AK47 से जानलेवा हमला किया था वो लोग भी बदले घटनाक्रम में आज सत्ता के पाले में हैं और ये सब देखकर मुझे डर है कि ये लोग मेरे पति की हत्या का प्रयास कर सकते हैं या उनको किसी और फर्जी मुकदमो में फंसाने का कुचक्र कर सकते हैं। मेरे पति का गुनाह सिर्फ इतना है कि वो निर्भीक हैं, आपकी लड़ाई में उन्हें कभी समझौते नहीं किये। उन्होने बिना रुके, बिना थके जौनपुर के लोगों की सेवा की है और जब आपकी आवाज को सदन तक पहुंचाने के लिए चुनाव लड़ने का फैसला किया तो उनके ऊपर फर्जी मुकादमे कायम कराये गए। भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई को कोई और रूप दिया गया। अभी जब उच्च न्यायालय ने बहस के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा था तो भी ये लोग बौखलाहट में उनका जेल

ट्रांसफर कर दिया। इन लोगो के अंदर उच्च न्यायालय के फैसले का भी इंतजार करने का या उसका सम्मान करने का साहस नहीं। साथ ही उन्होंने ने कहा मैं देश के प्रधान मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि विपक्ष की सरकार बनने पर आप मंगलसूत्र छीन जाने की बात करते हैं, आज आपकी सरकार में ही मेरे मंगल सूत्र पर संकट है। क्या आपका ध्यान उस पर नहीं जाएगा? क्या यहां जनता की सेवा में अपना सर्वस्व न्योछावर करने के बाद चुनाव लड़ने की इच्छा रखना गुनाह है? आज मैं पुरुषार्थ और जज्बे की धरती जौनपुर के परिवार जन से पूछना चाहती हूं कि क्या आप अपने बेटे की अन्याय के विरूद्ध इस लड़ाई में उनका साथ नहीं देंगे? अब आज के बाद ये लड़ाई सिर्फ मेरी नहीं है, अब ये लड़ाई जौनपुर के हर एक व्यक्ति को लड़नी है। ये लड़ाई किसी एक जाति या धर्म की नहीं होगी, ये लड़ाई होगी अपनी बहू के सिन्दूर को बचाने की, आपके अपने बेटे की जान को बचाने की, जौनपुर का सम्मान बचाने की। आप सबके सामने मैं अपना आंचल फैलाती हूं कि अपना प्यार, आशीर्वाद और साथ मेरी झोली में डाल दीजिए।

लखनऊ फार्मर्स मार्केट – आपको हर दिन पृथ्वी दिवस मनाने के लिए प्रोत्साहित करता है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हमें इस रविवार, 28 अप्रैल को, जैसे ही हम पृथ्वी दिवस के मूल्यों को हमारे दैनिक जीवन में मिलाते हैं, लखनऊ फार्मर्स मार्केट

में शामिल हों। स्थानीय, मौसमी खरीदारी के माध्यम से अपनी आदतों में पर्यावरण को समाहित करने के तरीकों को खोजें। आपको और पृथ्वी दोनों को पोषण प्रदान करने वाले आहार चुनें। आइए, हम मिलकर कचरे को कम, पुनः उपयोग, पुनः संग्रहण, और अस्वीकार करें, सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा दें। लखनऊ फार्मर्स मार्केट की सीईओ ज्योत्सना कौर हबीबुल्लाह कहती हैं, हम आपको बाजार में साफ कचरे को लेकर आने के लिए आमंत्रित करते हैं – हम दिखाएंगे कि कैसे कचरा खजाना बनता है।

जैसा कि पृथ्वी दिवस हाल ही में बीत गया है, आओ मिलकर लखनऊ फार्मर्स मार्केट में हमारी पृथ्वी का जश्न मनाएं। साथ ही, हम संवेदनशील जीवन और हमारे पर्यावरण की संरक्षा के लिए हमारे प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करें। जैविक फलों और सब्जियों, हाथ से बनी क्राफ्ट, और पर्यावरणीय घरेलू वस्तुओं सहित विविध प्रकार के पर्यावरण की अनुकूल उत्पादों का अन्वेषण करें। उन उद्यमियों और पर्यावरणीय विजेताओं से मिलें जिन्होंने ऐसे उत्पादों को विकसित किया है जो पृथ्वी और उपभोक्ताओं दोनों के लिए लाभकारी हैं। पर्यावरणीय जागरूकता और संरक्षित जीवन के अभ्यास में शामिल हों। उन सामाजिक पहलों का समर्थन करें जो बच्चों की शिक्षा के लिए कचरे को संसाधनों में परिवर्तित करते हैं और पुनर्चक्रित सामग्रियों से उत्पादों के लिए निकटिक का समर्थन करते हैं। बच्चों की गतिविधियों में बीज बनाना, कहानी सुनाना, और खाद्य और कॉम्पोस्टिंग पर सीखने के सत्र शामिल हों। हर दिन हमारे साथ पृथ्वी दिवस का जश्न मनाएं, जहाँ हर खरीदारी एक हरित, स्वस्थ ग्रह का समर्थन करती है। हमें आपका स्वागत है। आप रविवार, 28 अप्रैल, शाम 4–9 बजे, हबीबुल्लाह एस्टेट में मिलें।

अज्ञात कारणों के चलते युवक ने फांसी लगाकर दी जान

ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

पाली–हरदोई थाना क्षेत्र निवासी एक युवक ने शनिवार को फाँसी का फंदा लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह को थाना क्षेत्र के ग्राम खैरापुरा थाना पाली निवासी रविंद्र (40) पुत्र प्यारेलाल ने अज्ञात कारणों के चलते घर के अंदर छप्पर में रस्सी बांधकर गले में फाँसी का फंदा लगा लिया जिससे उसकी मृत्यु हो गई। मृतक के दो छोटे बच्चे हैं। बेटा की उम्र लगभग आठ वर्ष तथा बेटी की उम्र लगभग पाँच वर्ष हैं। मृतक की पत्नी की बीमारी के चलते करीब पांच वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी है। अनाथ हो चुके दोनों बच्चों का रो –रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि मृतक युवक बच्चों के भरण पोषण के लिए दिल्ली में मजदूरी करता था तथा एक सप्ताह पूर्व ही दिल्ली से अपने घर (गांव) वापस आया था। सूत्रों के मुताबिक मृतक युवक शराब का आदी था। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और शव को उतरवाकर विधिक कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है साथ ही युवक द्वारा की गई आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस में निरीक्षक वहीद अहमद, उपनिरीक्षक रमेश चंद्र,उपनिरीक्षक मृत्युंजय प्रताप सिंह मय फोर्स मौके पर मौजूद रहे।

नागरी लिपि परिषद पूर्वांचल विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष बने डा. ब्रजेश यदुवंशी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में नागरी लिपि परिषद की बैठक शनिवार को हुई । जिसमें नागरी लिपि परिषद पूर्वांचल विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष डॉ ब्रजेश कुमार यदुवंशी को बनाया गया । इस मौके पर नागरी लिपि के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए पूर्व कुलपति ने बताया कि यह किस तरह दुनिया में अपने को विस्तार कर रही है। बैठक की अध्यक्षता नागरी लिपि परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति डॉ पीसी पतंजलि ने किया । इस अवसर पर नागरी लिपि परिषद के पूर्वांचल विश्वविद्यालय इकाई का अध्यक्ष डॉ ब्रजेश कुमार यदुवंशी को बनाया । डॉ ब्रजेश कुमार यदुवंशी को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया इस मौके पर नागरी लिपि परिषद दिल्ली के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति डॉ पीसी पतंजलि ने कहा कि नागरी लिपि का प्रयोग पूरी दुनिया में हिंदी संस्कृत के साथ अन्य भारतीय भाषाओं के लेखन के लिए उपयोग किया जा रहा है । नागरी लिपि के प्रचार प्रसार के लिए शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार

आयोजित किए जाएंगे। नागरी लिपि के वैज्ञानिकता को लेकर शिक्षण संस्थानों में कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएगी। टंकण की दृष्टिकोण से नागरी लिपि परिषद शिक्षक एवं छात्रों के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । उन्होंने कहा कि नागरी लिपि परिषद अपने स्थापना दिवस की स्वर्ण जयंती भी मना रही है। उन्होंने कहा की नागरी लिपि को जरूरत के हिसाब से पाठ्यक्रमों में भी उपयोग में लाया जाएगा ।पूर्व कुलपति ने कहा कि नागरी लिपि परिषद के पूर्वांचल विश्वविद्यालय इकाई का अध्यक्ष प्रख्यात साहित्यकार एवं वैश्विक स्तर पर हिंदी नागरी लिपि एवं भारतीय संस्कृति को बढावा देने वाले डा ब्रजेश यदुवंशी को यह दायित्व सौंपा गया है ।इस अवसर पर प्रो अविनाश पार्थिडेकर , प्रो बीडी शर्मा, डॉ अवधेश यादव ,डॉ वीरेंद्र, डॉ दिलीप मौजूद रहे।

जिस तरह राम ने रावण का और कृष्ण ने कंस का वध किया था, वैसे ही नरेंद्र मोदी देश तोड़ने वालों का वध करेंगे – नरेश अग्रवाल

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना)

शांतिकुंज फार्म हाउस पर नरेश अग्रवाल ने कार्यकर्ता बैठक में कहा कि जिस तरह राम ने रावण का और कृष्ण ने कंस का वध किया था, वैसे ही नरेंद्र मोदी देश तोड़ने वालों का वध करेंगे। राहुल गांधी और अखिलेश यादव का नाम लिए बिना नरेश अग्रवाल ने उन्हें चंगू–मंगू की जोड़ी बताया।

नरेश अग्रवाल ने कहा कि हिंदू और मुस्लिम एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सनातन धर्म आदि काल से है, जबकि इस्लाम का उदय 1,400 साल पहले हुआ है। उन्होंने कहा कि ऐसे में मुस्लिमों के पूर्वज भी हिंदू ही रहे हैं। ऐसे लोगों को भी राष्ट्र निर्माण की मुख्य धारा से जुड़ना चाहिए।श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सारे वादे पूरे किए हैं। चाहे 370 का मामला हो या फिर राम मंदिर निर्माण का तथा सड़क, फ्लाई ओवर,मेडिकल कॉलेज के निर्माण सहित सभी वर्गों के विकास के लिए केंद्र सरकार ने अभूतपूर्व कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह

पंचायत चुनाव नहीं है। देश का चुनाव है। उन्होंने दावा कि किया कि विश्व में भारत का झंडा नरेंद्र मोदी ही फहराएंगे। कहा कि एक तरफ नरेंद्र मोदी हैं तो एक तरफ भटके हुए लोगों की जोड़ी। इन्हें चंगू–मंगू भी कहा जा सकता है। एक के हाथ में डंडा है और एक के हाथ में झंडा, लेकिन मोदी खुद ही डंडा और खुद ही झंडा हैं।पूरे विश्व के लोग नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हैं।इस लिए राष्ट्र निर्माण के लिए तथा निरंतर विकास के लिए भाजपा उम्मीदवार जय प्रकाश रावत को जिताएं।कार्यकर्ता बैठक में पालिका अध्यक्ष शाहीन बेगम जैद के छोटे बेटे जैद खान,अरशद जैदी, जोगराज सिंह, सुधीर गुप्ता, राजन शुक्ला, अनीश शुक्ला, राजीव गुप्ता चंदेली, गोपी सिंह, विशेष मिश्रा, पंकज अहेमी कासिम सिमौर, नवनीत कुमार गुप्ता समेत कई लोग मौजूद रहे।

मण्डल को खुशहाल बनाने की कामना से लड़ूंगी चुनाव – अरुणिमा पाण्डेय

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। देवी पाटन मण्डल मुक्ति मोर्चा की ओर से चुनाव लड़ने जा रही अरुणिमा पाण्डेय ने कहा कि आजादी के 75 सालों बाद भी देवी पाटन मंडल विकास में प्रदेश में सर्वाधिक पिछड़ा क्षेत्र है। मंडल के विकास व रोजगार का क्षेत्र विकसित करने व शिक्षा की ज्योति जलाने का संकल्प लेकर वह चुनावी मैदान में उतर रही है। शिक्षा और पत्रकारिता से जुड़ी अरुणिमा ने बताया कि उनके चुनाव प्रतिनिधि ने शुक्रवार को चुनाव कार्यालय से नामांकन फार्म ले लिया है और शुभ मुहूर्त में नामांकन करेंगी।

बीएसए ने चुनावी पाठशाला में पढ़ाया मतदान का महत्व, मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु किया प्रेरित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में चल रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत विकास खण्ड धर्मापुर के परिषदीय विद्यालयों पर चुनावी पाठशाला आयोजित कर लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। इसी कड़ी में कम्पोजिट विद्यालय पचहटिया में चुनावी पाठशाला जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जहाँ लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया तथा ष्घर आजा परदेसीष् कार्यक्रम के अन्तर्गत बाहर रह रहे श्रमिकों को आमंत्रण पत्र प्रेषित कर तथा विडियो काल कर लोगों को घर आकर आगामी 25 मई को मतदान करने हेतु अनुरोध किया गया। उपस्थित लोगों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने मतदान करने की शपथ दिलाते हुए स्वयं मतदान करने व अन्य लोगों को मतदान करने के लिए जागरुक करने हेतु संकल्प दिलाया।

इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा

अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल ने मतदाताओं को जागरूक करते हुए बताया कि मतदान हम सभी के लिए कितना आवश्यक है। मतदान का प्रयोग हमें अवश्य करना चाहिए अपने मतदान के प्रयोग से हम अपने देश के लिए जनप्रतिनिधि का चुनाव करते हैं, चुना हुआ जनप्रतिनिधि ही हमारे देश को चलाता है साथ ही देश का विकास करता है जो हम सबके लिए बहुत ही आवश्यक है। हम सभी को अपने मतदान का प्रयोग जरुर करना चाहिए ताकि हम सही निर्णय के साथ सही चुनाव कर सकें। उन्होंने घर आजा परदेसी कार्यक्रम के तहत मुम्बई, बंगलौर रह रहे यहाँ के कई मतदाताओं से विडियो काल पर बात कर 25 मई को मतदान करने हेतु आमंत्रित किया। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी धर्मापुर अरविंद कुमार यादव, जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, प्रधानाध्यापक, बीएलओ, शिक्षक, शिक्षिकाओं सहित छात्र छात्राएं एवं अभिभावक आदि उपस्थित रहे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव में एडवोकेट उदिशा त्रिपाठी ने कार्यकारणी पद पर पहला स्थान प्राप्त किया

विशेष संवाददाता
जय प्रकाश तिवारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट

बार एसोसिएशन चुनाव में अधिवक्ता उदिशा त्रिपाठी ने गवर्निंग काउंसिल क्रम संख्या – 70 3232 मत पाकर कार्यकारणी पद पर पहला स्थान प्राप्त किया वहीं दूसरी स्थान पर मनीषा सिंह ने 2410 मत और तीसरे स्थान पर 2261 मत पाकर किरन सिंह रही. ज्ञात हो कि उदिशा त्रिपाठी के पिता एडवोकेट विनोद कुमार त्रिपाठी वरिष्ट अधिवक्ता है और भाई भी अधिवक्ता है पिता ने सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस सफलता में अपनी भूमिका निभाई. एडवोकेट उदिशा त्रिपाठी प्रयागराज की मूल निवासी है महज 27 वर्ष की आयु में सफलता की प्रथम सीढ़ी के रूप में पहला स्थान प्राप्त कर भविष्य की ओर अग्रसर हुई. वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि इस जीत का श्रेय हमारे तमाम अधिवक्ता साथियो को जाता है जिन्होंने हमारे ऊपर विस्वास कर अपने मताधिकार का उपयोग कर मुझे 3232 मत देकर विजयी किया हम आशा ही नहीं पूरे विस्वास के साथ सभी अधिवक्ता साथियो के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का प्रयास करेंगे।

प्रशिक्षण के समय कार्मिकों से फार्म 12 व 12 ए संकलित कर इंचार्ज को सौंप दें – डीएम

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)आज विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। जिलाधिकारी ने कहा कि मास्टर ट्रेनर द्वितीय प्रशिक्षण के समय कार्मिकों से फॉर्म 12 या 12 ए संकलित कर इंचार्ज ऑफिसर को सौंप दें तथा मास्टर ट्रेनर ईवीएम के सम्बन्ध में अच्छी तरह से कार्मिकों को प्रशिक्षित करें और सभी मास्टर ट्रेनर समय से प्रशिक्षण कक्ष में पहुंचें।

जिलाधिकारी मतदान कार्मिकों को बताया जाये कि 6 बजे लाइन में लगे लोगों को पीछे से क्रम संख्या 1 से लेकर पर्ची वितरित कर मतदान कराया जाये।

समाज को बेहतर बनाने में सक्षम है पत्रकारिता - डा. आर. के. पाण्डेय

ब्यूरोचीफ आर एल पाण्डेय

गोंडा। श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के हिंदी विभाग ने श्समाचार लेखनश विषय पर एड ऑन कोर्स सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किया। महाविद्यालय के ललिता शास्त्री सभागार में गुरुवार को शिक्षण–प्रशिक्षण सत्र में विद्यार्थी पत्रकारिता की आधारभूत जानकारी के साथ समाचार लेखन की प्रविधि ा पर प्रकाश डाला गया। उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार ने लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ पत्रकारिता के अंतर्गत समाचार लेखन विषयक कोर्स को संचालित करने के लिए हिंदी विभाग को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पत्रकारिता देश–दुनिया और समाज को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है। हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र नाथ मिश्र ने उद्घाटन सत्र में श्समाचार क्या हैश विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस धरती और समाज को सुन्दर बनाने में पत्रकारिता में अपार संभावनाएं हैं।

प्रो. जय शंकर तिवारी ने समाचार लेखन का उद्भव और विकास समझाते हुए कहा कि कागज और छापाखाना की खोज के साथ ही पत्रकारिता का प्रारंभ होता है। भारत में सन् 1550 ई. में पुर्तगालियों द्वारा गोवा में और तमिलनाडु में प्रेस की स्थापना की गई। उन्होंने प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड से लेकर हिंदी पत्रकारिता के वर्तमान रूप तक हुए विकास–क्रम को प्रोफेसर तिवारी ने प्रकाश डाला। कोर्स की विषयवस्तु व रूपरेखा सहायक आचार्य अच्युत शुक्ल एवं संचालन हिंदी प्रवक्ता डॉ. मुक्ता टंडन ने किया। श्उद्घोषश दीवार पत्र के संपादकद्वय पुष्कर बाबू और जीतेशकांत पांडेय ने अपने संपादन अनुभव को साझा किए। पत्रकार जानकी शरण द्विवेदी ने समाचार लेखन के मूलभूत तत्त्वों की जानकारी दी। समाचार लेखन की प्रविधि समझाते हुए क्या, कौन, कहाँ, क्यों, कब, कैसे जैसे छह ककारों की पत्रकारिता में भूमिका समझाई। श्री द्विवेदी ने कहा कि अच्छे समाचारों की विशेषता यह है कि वे यथार्थ, वस्तुपरक, निष्पक्ष और पत्रकारिता की आचार संहिता के अनुकूल हों। दूसरे सत्र में वरिष्ठ पत्रकार एस.एन. शर्मा ने पत्रकारिता में शीर्षकीकरण और इंट्रो को समझाया। उन्होंने कहा कि पत्रकार को भाषा–प्रयोग में सावधान होना चाहिए।

गाजीपुर पुलिस ने लपिनोज पिज्जा स्टोर में चोरी करने वाला एक शातिर चोर किया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना गाजीपुर पुलिस टीम द्वारा दिनाँक 26.04.2024 को सेक्टर 17 इन्दिरानगर जंगल रोड के पास से लपिनोज पिज्जा स्टोर में चोरी करने वाले एक शातिर चोर अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए चोरी का सामान भी बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक थाना स्थानीय पर दिनाँक 23/04/2024 को वादी मुकदमा रिपुन्जय द्विवेदी पुत्र बृजकिशोर द्विवेदी HR Manager की तहरीरी सूचना बावत अज्ञात व्यक्ति द्वारा दिनांक 22.04.024 समय सुबह 6.00 बजे से 7.00 के बीच स्टोर के अन्दर घुसकर रखे हुए सेफ लाकर से लगभग 45000 रू चोरी कर लेनेके सम्बन्ध में मु0अ0सं0 0167/2024 धारा 380 भादवि पंजीकृत किया गया। घटना को चुनौतीपूर्ण लेते हुए थाना गाजीपुर पुलिस टीम द्वारा जमीनी सूचनातंत्र व सीसीटीवी फुटेज आदि का सहारा लेते हुए पुलिस बल द्वारा अभिसूचक के बताये गये स्थान पर पहुँचे और अभिसूचक संदिग्ध की तरफ इशारा करके चला गया। पुलिस बल द्वारा एक बारगी दबिश देकर घेर घारकर मौके पर ही पकड़ लिया गया। नाम पता पूछने पर अपना नामसंदीप कुमार गौतम पुत्र रामप्रकाश गौतम निवासी म0न0 212 ग्राम बैना टिकरहार पंडरी थाना कुर्सी जनपद बाराबंकी हालपता पानी गाँव सेक्टर 09 इन्दिरानगर थाना इन्दिरानगर लखनऊ उम्र करीब 25 वर्ष बताया तथा भागने का कारण बताया कि साहब मैने दिनाँक 22.04.2024 को लपिनोज पिज्जा स्टोर में जिसमें मैं करीब 02 साल पहले किचन इंचार्ज के रूप में काम करता था उस शाप की एक चाभी मेरे पास थी जिसका प्रयोग करके मैने ताला खोलकर दुकान के अन्दर रखे सेफ (लाकर) व सीसीटीवी कैमरा के डीवीआर को चुरा लिया था। सेफ को काटकर उसमें मौजूद 44800/– रूपया निकाल लिया था, साहब मैं एवीटर गेम खेलता हैं जिसमें मैने करीब 50000/– रूपया हार गया था जिसको जमा करने के लिए मैने यह चोरी की थी और चोरी से मिले पैसे में से 41600/– रूपया अपने कोटेक महेन्द्रा बैंक के खाते में दिनांक 25.04.2024 को मुंशीपुलिया स्थित ब्रॉच में जाकर जमा किया था शेष पैसो में से 1500/– रूपया बचा हुआ है। अभियुक्त से सेफ (लाकर), डीवीआर व चाभी के बारे में पूछा गया तो चाभी निकालकर दिया तथा सेफ (लाकर) व डीवीआर आगे आगे चलकर जंगल रोड पर स्थित माडल शाप के पीछे कूड़े के ढेर से बरामद कराया। अभियुक्त संदीप कुमार गौतम उपरोक्त को उसके जुर्म से अवगत कराते हुए पुलिस हिरासत लिया गया, जिनके विरूद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मतदान केन्द्रो की सभी आवश्यक सुविधाएं समय से सुनिश्चित करायें - जिलाधिकारी

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज स्वामी विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में मतदान कार्मिकों व माईक्रो ऑब्जर्वर की ड्यूटी वितरण के सम्बन्ध में बैठक आहूत हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि कार्मिकों का ड्यूटी आदेश तत्काल प्राप्त कर सम्बंधित कार्मिक को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें और मतदान केन्द्रो की सभी आवश्यक सुविधाएं समय से सुनिश्चित करायें। उन्होने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारी नगरीय निकाय को निर्देश दिये कि मतदान केन्द्रों पर लगी पानी की टंकी की सफाई मतदान से पहले करायें तथा मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर पेयजल, विद्युत, रैम्प, शौचालय और मतदान वाले कमरों की सफाई आदि व्यवस्थाओं को स्वयं देखे और अगर किसी मतदान केन्द्र पर कोई कमी मिले उसे तत्काल ठीक करायें।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी मतदान केन्द्रों की वीडियों ग्राफरी कराई जायेगी इसलिए वीडयो ग्राफरों के साथ कैमरे आदि की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित कर लें और

ऐसे अधिकारी एवं कर्मचारी जो निर्वाचन कार्य में लगये है और वीडियो ग्राफरों का 12 या 12 ए फॉर्म प्राप्त कर सही–सही भरवाकर जमा करायें। क्रिटिकल बूथों व 3 या 3 से अधिक बूथ वाले मतदान केन्द्रो का निरीक्षण किया जाये। उन्होने कहा जनपद में मतदान शान्ति पूर्ण, निष्पक्ष कराने में अपनी तरफ से किसी प्रकार की लापरवाही न करें अन्यथा संबंधित अधिकारीध कर्मचारी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएसटीयूपी अभियांत्रिकी विद्यार्थी प्रोजेक्ट अनुदान योजना 2023-24

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। परिषद द्वारा शोध एवं विकास, बायोटेक्नोलोजी, इंजीनियरिंग, इन्नोवेशन, बौद्धिक सम्पदा संरक्षण इत्यादि के क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियां तथा कार्यक्रम किये जाते हैं, जिनमें प्रतिवर्ष उत्रोत्तर वृद्धि हो रही है। गत् वर्ष विज्ञान के

विभिन्न क्षेत्रों से 114 रिसर्च प्रोजेक्ट स्वीकृत किये गये जो कि परिषद की ऐतिहासिक उपलब्धि है।

परिषद द्वारा उ0प्र0 में अध्ययनरत अभियांत्रिकी के अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों के नवाचार तथा स्थानीय एवं पर्यावरण समस्याओं के निराकरण पर आधारित प्रोजेक्ट्स को प्रोत्साहित किये जाने हेतु सी.एस.टी.यू.पी. अभियांत्रिकी विद्यार्थी प्रोजेक्ट अनुदान योजना का प्रारम्भ वर्ष 2017 से किया गया। इस योजना के अर्न्तगत बी.टेक. अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा प्रोजेक्टस आमंत्रित किये जाते हैं। परियोजना के अन्तर्गत वर्ष 2023–24 में उत्तर प्रदेश में कार्यरत तकनीकी विश्वविद्यालयों एवं तकनीकी कालेजों से विद्यार्थियों के मौलिक प्रस्ताव प्रोजेक्ट डेवलपमेंट हेतु परिषद पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित किये गये थे। इस वर्ष इस योजना के अन्तर्गत 475 प्रोजेक्ट्स प्राप्त हुए जिनका मूल्यांकन प्रदेश के विभिन्न तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों के समिति द्वारा किया गया। मूल्यांकनोपरान्त 60 प्रोजेक्ट्स को अधिकतम रू. 20,000/–के अनुदान हेतु चयनित किया गया। गत वर्ष 2023 के दिसम्बर माह के अन्तिम सप्ताह में योजना के प्रथम चरण में रू. 10,000/– की अग्रिम राशि प्रोजेक्ट निर्माण हेतु विद्यार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित कर दी गयी थी।

द्वितीय चरण में पूर्व में चयनित 60 प्रोजेक्ट्स के अन्तिम रूप से प्रदर्शन तथा मूल्यांकन कार्यक्रम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उ0प्र0 लखनऊ के परिसर में आयोजित किया गया। प्रोजेक्ट्स के मूल्यांकन हेतु 09 सदस्यीय मूल्यांकन समिति में विभिन्न तकनीकी संस्थानों के विषय विशेषज्ञों को सम्मिलित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों ने अत्यन्त उत्साह के साथ मूल्यांकन समिति के समक्ष अपने प्रोजेक्ट का प्रदर्शन किया तथा सामाजिक एवं पर्यावरण हित में प्रोजेक्ट्स की उपयोगिता से परिचित कराया। मूल्यांकन समिति द्वारा प्रोजेक्ट्स की नवीनता तथा उपयोगिता के आधार पर प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया गया साथ ही विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट्स में संभावित सुधारों तथा नई दिशाओं में विज्ञान एवं तकनीक का प्रयोग करने हेतु मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

कम्प्यूटर साइंस एवं आई0टी0 से सम्बन्धित अधिकांश प्राजेक्टों में विद्यार्थियों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स, मशीन लर्निंग, ब्लाक चेन टेक्नोलोजी इत्यादि आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया गया है। इसमें में से 01 प्रोजेक्ट एड्रुनो माइक्रो कंट्रोलर पर आधारित ग्रह एवं तारों के लगातार ट्रैक करने वाला माउंट है, जिसमें एड्रुनो माइक्रो कंट्रोलर का उपयोग कर रात्रि के आकाश में खगोलीय पिंडों को सटीकता पूर्वक ट्रैक किया जा सकता है। परिषद के वैज्ञानिक अधिकारी, एवं उत्तर प्रदेश अमेचर एस्ट्रोनॉमर्स क्लब के मेंटर, सुमित कुमार श्रीवास्तव द्वारा इस प्रोजेक्ट की प्रंशसा की गयी तथा यह बताया गया कि अभी भारत वर्ष में कंप्यूटराइज्ड माउंट इम्पोर्ट किये जाते है. यह अपने तरह का एक दम नया और पूर्णतया स्वदेशी कंप्यूटराइज्ड माउंट का माडल है. एक प्रोजेक्ट मोबाइल फोन के लत यानि कि नोमोफोबिया का आकलन और भविष्यवाणी से सम्बन्धित है, जिसमें मशीन लर्निंग का उपयोग कर विद्यार्थियों में पाये जाने वाली स्मार्ट फोन एडिक्शन का पता लगाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त ब्लाक चेन टेक्नोलॉजी के माध्यम से नकली दवा का पता लगाना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स के माध्यम से लंग कैंसर का पता लगाना, मशीन लर्निंग का उपयोग कर वाहन चालकों को गाड़ी चलाते समय नींद आने के कारण होने वाले एक्सीडेन्ट को रोकना, गंगाजल में पाये जाने वाली विभिन्न प्रदूषक का पता लगाना तथा जल की गुणवत्ता का आकलन किये जाने से से सम्बन्धित प्रोजेक्ट हैं।

सिविल इंजीनियरिंग में बैसिलस बैक्टीरिया का उपयोग कर कोनक्रीट की स्ट्रेन्थ बढ़ाना, फसल अवशेष से बायोगैस बनाना, प्रारंभिक भू–स्खलन चेतावनी प्रणाली कोयले की राख से उच्च गुणवत्ता वाली ईंट का निर्माण, मलबे के प्रयोग से कंक्रीट बनाना, कंक्रीट में वाटर हायसीन्थ नामक पौधा तथा सेन्टामार्या फीवर फ्यू नामक पौधा का उपयोग इत्यादि प्रोजेक्ट चयनित किये गये।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग से बिना चालक के चलने वाला वाहन, प्लास्टिक वेस्ट से बिजली उत्पादन, हाइब्रिड विंड टरबाइन, कास्ट इफेक्टिव 3डी प्रिन्टिंग फिलामेन्ट, गैस लीकेज डिटेक्शन सिस्टम इत्यादि प्रोजेक्ट चयनित किये गये हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से स्मार्ट शुगरकेन हार्वेस्ट, दिव्यांगजनों हेतु स्मार्ट ट्रेवलिंग एसिस्टेन्ट सिस्टम, स्मार्ट आई0ओ0टी0 बेस्ड इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग स्टेशन इत्यादि प्रोजेक्ट चयनित किये गये हैं।

इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग से आई0ओ0टी0 बेस्ड कैटल इन्ट्रूजन, डिटेक्शन सिस्टम जिसके द्वारा खेतों में आने वाले छुट्टा जानवरों को भगाया जा सकता है, जो कि प्रदेश में एक व्यापक समस्या है, आई0ओ0टी0 बेस्ड वेस्ट मैनेजमेन्ट सिस्टम, महिलाओं हेतु सेल्फ डिफेन्स सिस्टम, आई0ओ0टी0 बेस्ड वाटर वेस्ट सेग्रीगेटर इत्यादि प्रोजेक्ट चयनित किये गये है। इस स्कीम के प्रभारी राधेलाल, संयुक्त निदेशक , द्वारा बताया गया कि सभी चयनित प्रोजेक्ट हमारे दैनिक जीवन से सम्बन्धित समस्याओं, लोकल एवं रीजनल समस्याओं तथा प्रदेश की समस्याओं के सोल्यूशन हेतु अत्यन्त उपयोगी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवप्रसाद, सचिव, विप्रोप0 द्वारा विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट्स कि सराहना करते हुए अपने आशिर्वचन से उनका प्रोत्साहन किया गया. उनके द्वारा डॉ आंबेडकर इंस्टिट्यूट फॉर हैंडीकैप्ड , कानपुर के प्रोजेक्ट एवं प्रोटोटाइप षदिव्यांग जनों हेतु सोलर पॉवेरेड ट्राई साइकिलष तथा डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी, अयोध्या के विद्यार्थियों द्वारा नवन्वेषित गैस लीकेज डिटेक्शन सिस्टम की बहुत सराहना की।

शिवप्रसाद, सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा दृष्टिबाधित दिव्यांगो के लिए एच० बी० टी० यू०, कानपुर के विद्यार्थियों द्वारा नवनिर्मित स्मार्ट ट्रेवल असिस्टेंट सिस्टम फार ब्लाइंड पर्सन की भूरि–भूरि प्रंशसा की तथा इससे दृष्टिबाधित दिव्यांगो के लिए वरदान बताया. डॉ० पूजा यादव, संयुक्त निदेशक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा आई० ई० टी०, लखनऊ के विद्यार्थियों द्वारा नवीन एवं अनोखे प्रोजेक्ट एक्सट्रैक्शन ऑफ स्पेंट लिथियम यूसिंग ग्रीन साल्वेंट की प्रंशसा की तथा इसे ई–वेस्ट का एक बेहतरीन उपाय बताया. साथ ही ये बताया कि यह प्रोजेक्ट आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण हेतु अत्यंत उपयोगी साबित होगा।

इंडियाज डाटर्स कैंपेन – स्टडी हाल के बच्चों ने लैंगिक रूढ़िवादिता पर शालीमार गेटवे मॉल में नुक्कड़ नाटक किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शालीमार गेटवे मॉल में स्टडी हॉल के बच्चों ने चुनौतीपूर्ण लैंगिक भूमिकाओं और बदलाव की हिमायत पर आधारित श्नुक्कड़ नाटकष प्रस्तुत किया। यह स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन (शेफ) द्वारा वार्षिक बालिका सशक्तिकरण अभियान, इंडियाज डॉटर्स कैंपेन (आईडीसी) के एक भाग के रूप में चलाया गया था, जिसका उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ हिंसा के बारे में जागरूकता फैलाना है। नुक्कड़ नाटक ने सभी के लिए एक समान और न्यायपूर्ण दुनिया बनाने के लिए घर पर जिम्मेदारियों को साझा करने पर प्रकाश डाला। 150 से अधिक लोग उपस्थित थे और इस कार्यक्रम में महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने की प्रतिज्ञा पर 100 से अधिक हस्ताक्षर प्राप्त हुए। नुक्कड़ नाटक, आईडीसी की आधारशिला, का उद्देश्य लैंगिक रूढ़िवादिता को खत्म करना और व्यक्तियों से लिंग–आधारित भेदभाव के बारे में अपनी मानसिकता पर पुनर्विचार करने का आग्रह करना है। समानता हासिल करने के लिए लड़कों और पुरुषों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है, शेफ में इंडियाज डॉटर्स कैंपेन की कार्यक्रम प्रबंधक प्रियंका सक्सेना ने कहा। इस साल के अभियान के माध्यम से, हमारा लक्ष्य लड़कों और पुरुषों को लैंगिक न्याय के लिए जागरूक और शिक्षित करना है। स्टडी हॉल में 10वीं कक्षा की छात्रा उपलब्धि ने कहा, हम नाटक के माध्यम से जागरूकता

बढ़ा रहे हैं कि हमें लैंगिक रूढ़िवादिता को चुनौती देने की जरूरत है और हमें सभी के विकास के लिए एक समान और न्यायपूर्ण समाज बनाने की जरूरत है। स्टडी हॉल के शिक्षक भारतेंदु ने कहा, "हमें पुरुषों और लड़कों को शिक्षित करना चाहिए ताकि परिवर्तन लाने के लिए उनकी बराबर की भागेदारी हो। लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता को पहचानते हुए, अभियान महिलाओं के खिलाफ, हिंसा के खिलाफ लड़ाई में लड़कों और पुरुषों के महत्व पर जोर देता है। जहां लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रयास महत्वपूर्ण हैं, वहीं लड़कों के लिए भी पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देना और एक समतावादी समाज को बढ़ावा देना उतना ही जरूरी है। 2012 में अपनी शुरुआत के बाद से, इंडियाज डॉटर्स कैंपेन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो 2019 में अपने नवीनतम संस्करण में 1.1 मिलियन से अधिक समुदाय के सदस्यों और 232,000 छात्रों तक पहुंच गया है। इस वर्ष लैंगिक असमानता अभियान में लड़कों और पुरुषों को चर्चा में सबसे आगे रखकर एक अनूठा दृष्टिकोण अपनाया है।

श्री शारदा ग्रुप अश्वफ इंस्टिट्यूशन लखनऊ में स्नातक एवं परास्नातक अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं के विदाई समारोह सायनारा का भव्य आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स में स्नातक एवं परास्नातक सभी संकाय के अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं के भव्य विदाई समारोह का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रोफेसर विवेक मिश्रा (डीन)श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस के कर कमलों से माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन द्वारा हुआ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रोफेसर विवेक मिश्रा (डीन) श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस ने कहा कि आज हमारे जो छात्र–छात्राएं अंतिम वर्ष की परीक्षा उपरांत हमसे विदा लेने वाले हैं वह हमसे केवल शैक्षिक गतिविधियों से दूर हो रहे हैं ना कि हमारे अंतर्मन मन से। कॉलेज सदैव उनके साथ है जीवन के किसी मोड़ पर आप सभी छात्र–छात्राएं शारदा ग्रुप से किसी भी कार्य के लिए संपर्क करते हैं, तो हम आपके साथ हैं। संकाय के छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक , नृत्य एवं संगीत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमो की प्रस्तुति द्वारा छातध्छात्राओं ने सभी का मन मोह लिया। विदाई की बेला में शिक्षक एवं छात्र सभी अत्यंत भावुक नजर आ रहे थे। सभी ने अपने गुजरे मधुर पल का जिक्र किया।अतिथि के रूप में पधारे श्री अर्जित पांड्या ,सीईओ एवं डायरेक्टर केबल कॉम नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड एवं सुब्रतो राय डायरेक्टर केबल कॉम प्राइवेट लिमिटेड के साथ प्रोफेसर विवेक मिश्रा (डीन) श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन ने विभिन्न कार्यक्रमों में विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। विजेताओं में श्री सौरभ त्रिवेदी मिस्टर फेयरवेल, अभिलाषा मिस फेयरवेल,अभय मिस्टर हैण्सम, आकांक्षा मिस गार्जियस , तौहीद स्टार आफ द इव चयनित हुए। कार्यक्रम में कालेज प्रशासन के पदाधिकारियों के साथ शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं की उपस्थिति प्रभूत मात्रा में रही। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ग्रीन गैस के उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन के रोकथाम में कारगर साबित होंगे ए–आई से लैस इलेक्ट्रिक वाहन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रिवर बैंक कालोनी स्थित इंस्टीटूशन ऑफ इंजीनियर्स द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की इलेक्ट्रिक वाहन में उपयोगिता विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ वी के सिंह, निदेशक (अभियांत्रिकी) बाबू बनारसी दास नॉर्थेर्न इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, लखनऊ ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन का बढ़ता उपयोग ट्रांसपोर्ट सेक्टर में एक क्रांति लेकर आ रहा है जिसमें हम वायु प्रदूषण रहित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कर सकेंगे। मुख्य वक्ता डॉ प्रवीण कुमार शुक्ला डीन, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय ने इलेक्ट्रिक वाहनो में आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से हम ई–व्हीकल के बैटरी सिस्टम के परफॉरमेंस को और बढ़ा सकते है। इसके अलावा चार्जिंग स्टेशन के चयन, ट्रैफिक जाम को पहले से बताने और बेहतर रास्ता तय करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता पर चर्चा की। डॉ शुक्ला ने बताया कि भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहन एवं स्मार्ट ग्रिड कनेक्टिविटी से सुलभ, प्रदूषण रहित और सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकेगी। इस अवसर पर इंस्टीट्यूशन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वी बी सिंह ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग ग्रीन गैस के उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन के रोकथाम के लिए एक अहम् कदम होगा। कार्यक्रम के आरंभ में संस्था के अध्यक्ष सत्य प्रकाश ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय वस्तु पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम

के संयोजक मसर्रत नूर खा, पूर्व अध्यक्ष ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया एवं कार्यक्रम का सफल संचालन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का समापन वी पी सिंह, मानद सचिव के धन्यवाद प्रस्ताव से हुआ। कार्यक्रम में बड़ी सँख्या में लोगों ने भाग लिया।

साहिब श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) को समर्पित गुरमत समागम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सिखों के नवें गुरु साहिब श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का प्रकाश पर्व (जन्मदिवस) को समर्पित तीन दिवसीय गुरमति समागम का पहला समागम दिनाँक 27.04.2024 श्री गुरू सिंह सभा, ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरु नानक देव जी नाका हिंडोला,लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ मनाया गया।

शाम का विशेष दीवान 6.30 बजे श्री रहिरास साहिब के पाठ से आरम्भ हुआ जो रात्रि 10.30 बजे तक चला। जिसमें रागी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी ने अपनी मधुरवाणी में नाम सिमरन एवं शबद कीर्तन– तेग बहादुर सिमरिअै घर नौ निध आवै धाइ।। सभ थाई होए सहाइ।

गायन कर समूह साध संगत को निहाल किया। ज्ञानी सुखदेव सिंह जी ने साहिब श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आप का जन्म आज ही के दिन अमृतसर में हुआ था। आप के पिता जी का नाम गुरु हरिगोबिन्द साहिब जी एवं माता जी का नाम नानकी जी था। बचपन से ही आप संत स्वरुप गहरे विचारवान निर्भय व त्यागी स्वभाव के थे। आपके स्वभाव के अनुरुप आपका नाम त्यागमल रखा गया अपने पास जो भी चीज हो लोगों को निःसंकोच दे देनी। एक बार अमृतसर के युध्द में हाथ में तलवार पकड़कर दुश्मनों का मुकाबला किया और तलवार के खूब करतब दिखाये। तब श्री गुरु हरिगोबिन्द जी ने अपने लाडले पुत्र को कहा कि तुम तो तलवार चलाने मे बडेध निपुण हो पंजाबी भाषा में तलवार को तेग के नाम से जाना जाता है। तब से आपका नाम त्यागमल से तेग बहादुर रख दिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।